आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

राष्ट्र के 74 वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर

अध्यक्ष–सह–प्रबन्ध निदेशक का सन्देश

26 जनवरी, 2023

कोल इण्डिया Coal India

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो०– डिसेरगढ़, जिला: पश्चिम बर्द्धमान

मेरे प्यारे साथियों,

हम भारतीय नागरिकों के मध्य गर्व व देशभक्ति की भावना जागृत करने वाला यह गणतंत्र दिवस नई सोच के साथ नए भारत के उदय का स्मरण करते हुए सदैव एक संकल्प दिवस का रहा है। एक नागरिक के रूप में जो हमारे संवैधानिक कर्तव्य हैं उसका हम सभी पूर्ण निष्ठा से पालन करें। साथ ही, एक सरकारी संगठन के रूप में हम सभी का एक संयुक्त दायित्व भी है – राष्ट्र को नित्य ऊर्जा आपूर्ति में सहयोग प्रदान करना, जिसे हमें समर्पित भाव से निवर्हन करते रहना है। इसी दिवस को भारत वैश्विक स्तर पर वृहत् गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ है। आप सभी को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। स्वस्थ रहें ! आनंदित रहें ! राष्ट्र की उन्नति के लिए नित्य संकल्पित रहें !

आज राष्ट्र G20 समूहगत देशों की अध्यक्षता कर रहा है और भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वैश्विक नेतृत्व के साथ वैश्विक विकास के लिए भारत की ऊर्जा–सुरक्षा अहम है और इसकी स्थिरता सुनिश्चित रखें रखना हमारा कर्तव्य है।

ईसीएल अपनी नई सोच के साथ नूतन पहल करते हुए ऊर्जा क्षमता के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में तेजी से अग्रसर है। कंपनी विगत वित्तीय वर्षों के घाटे से उभरते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में अबतक लाभ अर्जित करती आ रही है। कंपनी में खनन योग्य भूमि से संबंधित कतिपय मामले हैं जिनका समाधान किया जा रहा है और आने वाले भविष्य में सुफल की प्रत्याशा है।

साथियों, राष्ट्र को भविष्यत् ऊर्जा आपूर्ति की सक्षमता एवं सुगमता के निहितार्थ ईसीएल में प्रथमतः MDO (Mine Development Operation) मोड की परिकल्पना लाई गई है जिसके तहत राजमहल क्षेत्र के हुर्रा–सी खुली खदान परियोजना में कोयला निष्कर्षण (extraction) के लिए

बाह्य अभिकरण संग अनुबंध किया गया है। इसी क्रम की अगली कड़ी में सोदपुर क्षेत्र के चिनाकुड़ी भूमिगत खान, मुगमा क्षेत्र के गोपीनाथपुर भूमिगत खान एवं काजोड़ा क्षेत्र के मधुजोर भूमिगत खान जैसे बंद पड़ी खानों को राजस्व साझा आधार (Revenue Sharing Basis) पर पुनः आरंभ करने के लिए कार्यादेश निर्गत किया जा चुका है।

ईसीएल द्वारा प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ कोयले के उत्पादन के लिए विभिन्न पर्यावरण अनुकूल खनन पद्धतियों को भी अपनाया गया है जिस प्रकरण में कोयला उत्पादन और ओबी हटाने के लिए सलानपुर क्षेत्र के बोनजेमिहारी विस्तारित परियोजना में Vertical Ripper blast free opencast mine, नदी पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार और रेत कटाई लागत को कम करने के साथ ईसीएल अपने ओबर बर्डन की वैकल्पिक उपयोगिता सिद्धि के लिए काजोड़ा क्षेत्र में ओबर बर्डन से रेत संयंत्र परियोजना तथा कुनुस्तोड़िया क्षेत्र में नारायणकुड़ी हाई-वॉल (High-Wall Mining) खनन परियोजना जो सतग्राम क्षेत्र के निमचा परियोजना के बाद ईसीएल का दूसरी सबसे बड़ी हाइवॉल परियोजना है का शुभारंभ किया गया है। हाई-वॉल खनन पद्धति का उपयोग करते हुए, ईसीएल ओपनकास्ट खदानों में फंसे भंडार को अनलॉक करने की उम्मीद कर रहा है, जिन्हें सीमित स्ट्रिपिंग अनुपात तक पहुँचने के बाद बंद कर दिया गया था। ईसीएल में उच्च श्रेणी के कोयले के लाभकारी निष्कर्षण के लिए हाई-वॉल खनन बहुत प्रभावी साबित होगा। यह खनन विधि पर्यावरण के अनुकूल भी है क्योंकि यह विस्फोट के बिना कोयला निकालने में मदद करती है। उक्त परियोजना से ईसीएल को अगले चार वर्षों में 1.69 मिलियन टन अतिरिक्त कोयले का उत्पादन करने में मदद मिलेगी।

ईसीएल द्वारा ERP-SAP का उपयोग शुरू किया गया है जिससे कंपनी को सभी व्यावसायिक संचालन और प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से प्रबंधित और अनुकूलित करने में मदद मिल रही है, काम में तेजी आई है और समग्र सुधार सुनिश्चित हुआ है। इसके अलावा, SAP के सफल कार्यान्वयन के लिए, कंपनी नियमित रूप से अपने सफल और व्यापक कार्यान्वयन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का आयोजन कर रही है।

ईसीएल अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं, परियोजना प्रभावित युवाओं के कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं, जल आपूर्ति, कोविड देखभाल आदि के विकास में शामिल है। ईसीएल के राजमहल, पांडवेश्वर, मुगमा, एसपी माइंस, बंकोला, सोनपुर बाजारी और झांझरा क्षेत्रों में डिजिटल डिस्पेंसरी चल रही है।

ईसीएल ने देश के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आज राष्ट्र के 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, ईसीएल द्वारा अबतक अर्जित की गई कामयाबी में पूर्ण सहयोग के लिए और समरूप से अधिकतम भविष्यत् सहयोग की प्रत्याशा के साथ मैं, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों, पश्चिम बंगाल तथा झारखण्ड राज्य सरकार एवं उनके प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, सीआईएसएफ, कंपनी के समस्त श्रमिकों, कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ-साथ कंपनी के सभी अंशधारकों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, शुभचिंतकों तथा शताक्षी महिला मण्डल के प्रति आभार प्रकट करते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ तथा कंपनी के सभी ऊर्जस्वित कर्मशक्ति संपन्न श्रमिकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ-साथ परियोजना प्रभावित ग्रामीण जनों का आह्वान करता हूँ कि अपने-अपने कर्तव्य बोध के साथ आगे आकर स्वर्णिम राष्ट्र के निर्माण में अपनी एवं ईसीएल की महती भूमिका को सिद्ध करें। आपकी सेवा, समर्पण और संकल्प के अमृत से आत्मनिर्भर होगा भारत और सार्थक होगी ईसीएल और परियोजना प्रभावित जनों की मेहनत।

जय हिंद !

कर्तव्यपरायण,

26.01.2023

(अंबिका प्रसाद पंडा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

জাতির ৭৪তম প্রজাতন্ত্র দিবস উপলক্ষ্যে

অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তার বার্তা

২৬ জানুয়ারী, ২০২৩

কোল ইন্ডিয়া Coal India

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড

সাঁকতোড়িয়া, পো: ডিসেরগড়, জেলা: পশ্চিম বর্ধমান

প্রিয় সহকর্মীবৃন্দ,

এই প্রজাতন্ত্র দিবস, যা আমাদের ভারতীয় নাগরিকদের মধ্যে গর্ব এবং দেশপ্রেমের অনুভূতি জাগিয়ে তোলে, সর্বদা নতুন চিন্তাভাবনার সাথে নতুন ভারতের উত্থানকে স্মরণে একজন নাগরিক হিসেবে যা আমাদের সাংবিধানিক দায়িত্ব আমাদের সকলের উচিত পূর্ণ নিষ্ঠার সাথে পালন করা, এর পাশা-পাশি, একটি সরকারী সংস্থা হিসেবে, আমাদের সকলের যৌথ দায়িত্ব রয়েছে জাতিকে নিরবচ্ছিন্ন শক্তি সরবরাহের সহযোগিতা প্রদানের যা আমাদের একটি নিবেদিত মনোভাব নিয়ে পালন করতে হবে। এই দিনে ভারত বিশ্বব্যাপী একটি বৃহৎ প্রজাতন্ত্র হিসেবে প্রতিষ্ঠিত হয়েছে। ৭৪তম প্রজাতন্ত্র দিবসে আপনাদের সকলকে শুভেচ্ছা । সুস্থ থাকুন! খুশীতে থাকুন! জাতির উন্নতির জন্য সর্বদা দৃঢ় প্রতিজ্ঞ !

আজ আমাদের দেশ জি ২০ গ্রুপের দেশগুলির সভাপতিত্ব করছে এবং ভারত বিশ্বের দ্রুততম ক্রমবর্ধমান অর্থনীতি। বৈশ্বিক নেতৃত্বের সাথে বৈশ্বিক উন্নয়নের জন্য ভারতের শক্তি নিরাপত্তা গুরুত্বপূর্ণ এবং এর স্থিতিশীলতা নিশ্চিত করা আমাদের কর্তব্য।

ইসিএল তার নতুন চিন্তাভাবনা নিয়ে উদ্ভাবনী উদ্যোগ গ্রহণের মাধ্যমে শক্তি দক্ষতার উচ্চাভিলাষী লক্ষ্য অর্জনের দিকে দ্রুত অগ্রসর হচ্ছে কোম্পানিটি বিগত অর্থবছরের লোকসান থেকে বেরিয়ে এসেছে এবং অর্থবছরে মুনাফা করছে । কোম্পানির খনিরযোগ্য জমি সম্পর্কিত কিছু সমস্যা রয়েছে যা সমাধান করা হচ্ছে এবং আগামীতে সফল হবে বলে আশা করা হচ্ছে।

বন্ধুগণ, দেশের জন্য ভবিষ্যতে শক্তি সরবরাহের দক্ষতা এবং সহজতার জন্য ইসিএল সর্বাগ্রে এম.ডি.ও (Mine Development Operation) মোডের পরিকল্পনা করেছে যার অধীনে রাজমহল এলাকায়

হুরা-সি ওপেন কাস্ট খনি প্রকল্পে কয়লা উত্তোলনের জন্য বহিরাগত সংস্থার সাথে চুক্তি করা হয়েছে। পরবর্তী পর্বে সোদপুর এলাকার চিনাকুড়ি ভূগর্ভস্থ খনি, মুগমা এলাকার গোপীনাথপুর ভূগর্ভস্থ খনি এবং কাজোড়া এলাকার মধুজোড় ভূগর্ভস্থ খনির মতো বন্ধ খনিগুলি রাজস্ব ভাগাভাগির ভিত্তিতে পুনরায় চালু করার আদেশ জারি করা হয়েছে।

প্রকৃতি সংরক্ষণের পাশাপাশি কয়লা উৎপাদনের জন্য ইসিএল কর্তৃক বিভিন্ন পরিবেশ বান্ধব খনির প্রকল্প গ্রহণ করা হয়েছে, যেমন কয়লা উৎপাদন এবং ওবি (OB) অপসারণের জন্য সালানপুর এলাকার বনজেমিহরি সম্প্রসারণ প্রকল্প Vertical Ripper blast free opencast নদীর বাস্তুতন্ত্রের উন্নতি এবং বালু উত্তোলনের খরচ কমাতে ইসিএল কাজোড়া এলাকায় ওভার বার্ডেন টু স্যান্ড প্ল্যান্ট প্রকল্প এবং কুনুস্তড়িয়া এলাকায় নারায়ণকুড়ি হাই-ওয়াল মাইনিং (High-Wall Mining) প্রকল্প চালু করেছে যা সাতগ্রাম অঞ্চলের নিমচা প্রকল্পের পরে ইসিএলের দ্বিতীয় বৃহত্তম হাইওয়াল প্রকল্প। হাই-ওয়াল মাইনিং (High-Wall Mining) পদ্ধতি ব্যবহার করে, ইসিএল ওপেনকাস্ট খনিগুলিতে আটকে থাকা মজুদগুলি আনলক করার আশা করছে, যা সীমিত স্ট্রিপিং অনুপাতে পৌঁছানোর পরে বন্ধ হয়ে গিয়েছিল। হাই-ওয়াল খনন ইসিএল-এ উচ্চ গ্রেড কয়লার উত্তোলনের জন্য খুব কার্যকর প্রমাণিত হবে। এই খনন পদ্ধতিটি পরিবেশবান্ধব কারণ এটি বিস্ফোরণ ছাড়াই কয়লা উত্তোলন করতে সহায়তা করে। উক্ত প্রকল্পটি ইসিএলকে আগামী চার বছরে অতিরিক্ত ১.৬৯ মিলিয়ন টন কয়লা উৎপাদন করতে সহায়তা করবে।

ইআরপি-এসএপি (ERP-SAP) ব্যবহার ইসিএল দ্বারা শুরু করা হয়েছে যা সংস্থাটিকে সমস্ত ব্যবসায়িক ক্রিয়াকলাপ এবং প্রক্রিয়াগুলি আরও ভালভাবে পরিচালনা এবং অনুকূল -কৃত করতে, কাজের গতি বাড়াতে এবং সামগ্রিক উন্নতি নিশ্চিত করতে সহায়তা করছে। এ ছাড়া এসএপি'র (SAP) সফল বাস্তবায়নের জন্য প্রতিষ্ঠানটি নিয়মিতভাবে কর্মকর্তা-কর্মচারীদের জন্য প্রশিক্ষণ মডিউল পরিচালনা করছে।

ইসিএল তার সিএসআর উদ্যোগের মাধ্যমে অবকাঠামো উন্নয়ন

প্রকল্প, প্রকল্পে প্রভাবিত যুবকদের দক্ষতা উন্নয়ন, নারীর ক্ষমতায়ন, স্বাস্থ্য সুবিধার উন্নয়ন, জল সরবরাহ, কোভিড কেয়ার ইত্যাদিতে জড়িত। ইসিএলের রাজমহল, পাণ্ডবেশ্বর, মুগমা, এস.পি. মাইনস, বাংকোলা, সোনপুর বাজারি এবং ঝাঁঝরা এলাকায় ডিজিটাল ডিসপেনসারি চলছে।

দেশের উন্নয়নের ইসিএল উল্লেখযোগ্য অবদান রেখেছে। আজ ৭৪তম প্রজাতন্ত্র দিবস উপলক্ষে ইসিএল দ্বারা এখনও পর্যন্ত অর্জিত সাফল্যে পূর্ণ সহযোগিতার জন্য এবং সর্বাধিক ভবিষ্যতের সহযোগিতার প্রত্যাশায়, কয়লা মন্ত্রালয়, কোল ইন্ডিয়া লিমিটেড, ট্রেড ইউনিয়নের প্রতিনিধি, পশ্চিমবঙ্গ এবং ঝাড়খন্ড রাজ্য সরকার এবং প্রশাসনিক অধিকারিকদের, পুলিশ প্রশাসন, সি.আই.এস.এফ কম্পানির সমস্ত কর্মী, কর্মচারী এবং অধিকারিকদের পাশা-পাশি সমস্ত শেয়ার হোল্ডার, গ্রাহক, সরবরাহকারী , শুভানুধ্যায়ী এবং শতাক্ষী মহিলা মন্ডলের প্রতি কৃতজ্ঞাতা প্রকাশ করে অন্তরিক অভিনন্দন ও জানাই এবং কোম্পানির সমস্ত উদ্যামী কর্মী, কর্মচারী ও কর্মকর্তা এবং প্রকল্পের দ্বারা ক্ষতিগ্রস্থ গ্রামীণ জনগণকে তাদের নিজস্ব দায়িত্ববোধ নিয়ে এগিয়ে আসার আহ্বান জানাই এবং আপনার সেবা, নিষ্ঠার অমৃত দিয়ে সোনার দেশ গড়তে ইসিএলের গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা প্রমাণ করার আহ্বান জানাচ্ছি। আপনাদের সেবা, নিষ্ঠা কঠোর পরিশ্রম এবং সংকল্পের অমৃতে ভারত আত্মনির্ভরশীল এবং ইসিএলের অগ্রগতি অব্যাহত থাকবে।

জয় হিন্দ!

শুভকামনা সহ আপনাদের,

২৬.০১.২০২৩

(অম্বিকা প্রসাদ পাণ্ডা)
অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তা

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেডের জনসংযোগ বিভাগ দ্বারা প্রকাশিত